Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

Newspaper: Amar Ujala **Date: 30-11-2022**

'गुणवत्तापरक शोध के लिए स्थानीय भाषा महत्वपूर्ण'

हकेंवि में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की शुरुआत

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, केंद्र सरकार द्वारा संपोषित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन विषय पर केंद्रित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि गुणवत्तापरक शोध के लिए निज भाषा का उपयोग महत्वपूर्ण है।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्रमुख रूप से विषय विशेषज्ञ के रूप में हरियाणा ग्रंथ अकादमी के पूर्व निदेशक डॉ. विजय दत्त शर्मा ने विषय पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय में शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता व कार्यशाला की संयोजक प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।

द्वितीय सत्र में जम्मू विश्वविद्यालय के डॉ. जसपाल सिंह ने उच्च शिक्षा के स्तर में भारतीय भाषाओं में शोध प्रविधियों एवं शिक्षण के सम्मुख आने वाली चुनौतियों के विषय पर विचार व्यक्त किए। इसी क्रम में तीसरे सत्र में डॉ. बाबू राम, पूर्व प्रोफेसर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने निवासी भारतीय भाषाओं में ज्ञान सर्जन के अवसर और चौथे सत्र में डॉ. जगदीश प्रसाद ने भारतीय भाषाओं के शोध अंतर्जाल की उपयोगिता विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मंच का संचालन शिक्षा पीठ के प्रो. नंद किशोर ने किया और धन्यवाद ज्ञापन सहायक आचार्य डॉ. आरती यादव ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. गौरव, प्रो. रविंद्रपाल अहलावत सहित शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

कार्यक्रम में उपस्थित प्रो. जी. हरगोपाल, कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य। संवाद

कार्यशाला में विशेषज्ञों ने दी मधुमेह से बचाव और उपचार की जानकारी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर कार्यशाला करवाई गई। विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा स्वास्थ्य केंद्र के सहयोग से आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया।

उन्होंने इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करने के लिए फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में मलेशिया से डॉ.रोहित कुमार वर्मा उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यशाला में प्रतिष्ठित विशेषज्ञ वक्ता मलेशिया से डॉ. रोहित कुमार वर्मा ने मधुमेह से बचाव व उपचार पर जोर दिया।

फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के 200 से अधिक विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों ने कार्यशाला में प्रतिभागिता की। कार्यक्रम के आयोजक एवं संचालक डॉ.तरुण कुमार, डॉ. रजत यादव और डॉ. मनीषा पाण्डेय रहे।

साथ ही टीम के सदस्यों के रूप में डॉ. हिना यादव, डॉ. सुमित कुमार एवं डॉ. अशोक जांगड़ा ने आयोजन में सक्रिय भागीदारी की। इस अवसर पर प्रो. पवन मौर्य, प्रो. विनोद कुमार, डॉ.अंतरेश कुमार, डॉ.रवि सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष ,शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे। संवाद

'संविधान पढ़ना डॉ. भीमराव आंबेडकर का सम्मान करने का सबसे अच्छा तरीका'

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के डॉ. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) व अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू), बैंगलोर के प्रो. जी हरगोपाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि संविधान दिवस मनाना प्रत्येक नागरिक के लिए गौरव का क्षण है। विश्वविद्यालय में डॉ. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक डॉ. अंतरेश कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। मुख्यातिथि नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी(एनएलएसआईयू) बैंगलोर के प्रो. जी हरगोपाल ने कहा कि संविधान पढ़ना डॉ. भीमराव आंबेडकर का सम्मान करने का सबसे अच्छा तरीका है।

प्रो. हरगोपाल ने सामूहिक शांति और समृद्धि के लिए सामाजिक जिम्मेदारी के साथ स्वतंत्रता का उपयोग करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में डॉ. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के विद्यार्थियों ने सक्रिय प्रतिभागिता की। अंबिका और शक्ति ने मौलिक अधिकारों और कर्त्तव्यों का पाठ किया। इसी क्रम में निशा, रितु, सुषमा, असिन, प्रियंका और बिरजू ने सीयूइनद कोर्ट नामक नाटक का मंचन किया। कुसुमलता और असिन ने संविधान पर गीत गाए। कार्यक्रम का संचालन सिमरन एवं आशीष ने किया। इस अवसर पर प्रो. विकास वेनीवाल, प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. शाहजहां, डॉ. मुलाका मारुति, डॉ. रविंदर सिंह आदि उपस्थित रहे। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 30-11-2022**

गुणवत्तापरक मौलिक शोध के लिए निज भाषा महत्वपूर्ण

हकेंवि के कुलपति ने राष्ट्रीय कार्यशाला को किया संबोधित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में मंगलवार को भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संपोषित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन विषय पर केंद्रित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि गुणवत्तापरक शोध के लिए निज भाषा का उपयोग महत्त्वपूर्ण है। भाषा ही वह माध्यम है जो कि किसी भी देश के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारतीय भाषाओं में शोध के पीछे का उद्देश्य यही है कि हम अपने ज्ञान को विस्तृत रूप से प्रसारित कर सकें। आदमी जिस भाषा में सोचता है उसी में विचारों की अभिव्यक्ति सदैव ही उपयोगी साबित होती है। यदि दस विकसित देशों के नाम सामने रखें तो इनमें नौ ऐसे देश होंगे, जोकि अपनी ही भाषा को अपनाकर आगे बढ़े हैं। कुलपति ने मौलिक शोध के लिए भाषा के महत्त्व का उल्लेख करते हुए निज भाषा के प्रयोग पर जोर दिया। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति विशेष रूप से मातृभाषा में शिक्षा की पक्षधर है और अवश्य ही भारतीय भाषा समिति के सहयोग से विश्वविद्यालय में आयोजित यह कार्यशाला इस दिशा में जारी प्रयासों को बल प्रदान करेगी।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में अतिथियों के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। (दाएं से तीसरे) ● जागरण

विषय विशेषज्ञ के रूप में हरियाणा ग्रंथ अकादमी के पूर्व निदेशक डा. विजय दत्त शर्मा ने विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय में शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता व कार्यशाला की संयोजक प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और तीन दिनों तक चलने वाली इस कार्यशाला के विभिन्न सत्रों व उसमें उपस्थित रहने वाले विशेषज्ञों का स्वागत किया।

आयोजन के पहले दिन डा. विजय दत्त शर्मा के पश्चात द्वितीय सत्र में जम्मू विश्वविद्यालय के डा. जसपाल सिंह ने उच्च शिक्षा के स्तर में भारतीय भाषाओं में शोध प्रविधियों एवं शिक्षण के सम्मुख आने वाली चुनौतियों के विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। इसी क्रम में तीसरे सत्र में डा. बाबू राम, पूर्व प्रोफेसर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने निवासी भारतीय भाषाओं में ज्ञानसर्जन के अवसर और चौथे सत्र में डा. जगदीश प्रसाद ने भारतीय भाषाओं के शोध अंतर्जाल की उपयोगिता विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मंच का संचालन शिक्षा पीठ के प्रो. नंद किशोर ने किया और धन्यवाद ज्ञापन सहायक आचार्य डा. आरती यादव ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता, प्रो. दिनेश चहल सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

मौलिक अधिकारों व कर्तव्यों को जानने के लिए किया प्रेरित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के डा. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसई) व अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा संविधान दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में नेशनल ला स्कूल आफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआइयू), बेंगलुरू के प्रो.जी.हरगोपाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि संविधान दिवस मनाना प्रत्येक नागरिक के लिए गौरव का क्षण है। भारत विविधताओं का देश है और हमें खुशी है कि हमारे विश्वविद्यालय में देश के लगभग सभी राज्यों के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं उन्होंने सभी को मौलिक अधिकारों व कर्त्तव्यों को जानने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय में डा. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक डा. अंतरेश कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। प्रो. जी. हरगोपाल ने कहा कि संविधान पढ़ना डा. भीमराव आंबेडकर का सम्मान करने का सबसे अच्छा तरीका है। उन्होंने भारतीय संविधान का मसौदा तैयार करने पर डा. आंबेडकर के दृष्टिकोण पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. हरगोपाल ने सामूहिक शांति और समृद्धि के लिए सामाजिक जिम्मेदारी के साथ स्वतंत्रता का उपयोग करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में डा. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के विद्यार्थियों ने सक्रिय प्रतिभागिता की। केंद्र के विद्यार्थी केशव ने संविधान की प्रस्तावना का वर्णन किया। अंबिका और शक्ति ने मौलिक अधिकारों और कर्त्तव्यों का पाठ किया। इसी क्रम में निशा, रितु, सुषमा, असिन, प्रियंका और बिरजू ने 'सी यू इन द कोर्ट' नामक नाटक का मंचन किया। कार्यक्रम का संचालन सिमरन एवं आशीष ने किया। इस अवसर पर प्रो. विकास वेनीवाल, प्रो. पवन कुमार मौर्य, डा. टी लोंगकोई, राकेश मीणा, डा. शाहजहां, सोमनाथ मैती व प्रीति शर्मा सहित अन्य संकाय सदस्य व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विश्व मधुमेह दिवस पर कार्यशाला आयोजित

संस, महेंद्रगढ़: हकेंवि में विश्व मधुमेह दिवस पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मधुमेह प्रबंधन के महत्त्व और जीवन शैली में बदलाव करने पर जोर दिया। उन्होंने इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करने के लिए फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता मलेशिया से डा. रोहित कुमार वर्मा ने मधुमेह से बचाव व उपचार पर जोर दिया। फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक डा. दिनेश कुमार ने मधुमेह की व्याप्कता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। विश्वविद्यालय के 200 से अधिक विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों ने कार्यशाला में प्रतिभागिता कर मधुमेह के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। टीम के सदस्यों के रूप में डा. हिना यादव, डा. सुमित कुमार एवं डा. अशोक जांगड़ा ने आयोजन में सक्रिय भागीदारी की। मौके पर प्रो. पवन, प्रो. विनोद, डा. अंतरेश, डा. रवि सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 30-11-2022**

हकेंवि में विश्व मधुमेह दिवस पर कार्यशाला, अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ डॉ. राहुल ने किया संबोधित

विश्वविद्यालय के 200 से अधिक विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों ने कार्यशाला में प्रतिभागिता कर मधुमेह के बारे में प्राप्त किया ज्ञान

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि में मंगलवार को विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र के सहयोग से आयोजित कार्यशाला उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मधुमेह प्रबंधन के महत्त्व और जीवन शैली में बदलाव करने पर जोर दिया। उन्होंने इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करने के लिए फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में मलेशिया से डॉ. रोहित कुमार वर्मा उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह की कार्यशाला आयोजित करने की जाएगी। कार्यशाला में प्रतिष्ठित विशेषज्ञ वक्ता मलेशिया से डॉ. रोहित कुमार वर्मा ने मधुमेह से बचाव व उपचार पर जोर दिया। उन्होंने मधुमेह प्रबंधन के लिए एकीकृत दृष्टिकोण पर विस्तार से प्रकाश डाला। फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने मधुमेह की व्यापकता से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के 200 से अधिक विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों ने कार्यशाला में प्रतिभागिता कर मधुमेह के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। कार्यक्रम के आयोजक एवं संचालक डॉ. तरुण कुमार, डॉ. रजत यादव एवं डॉ. मनीषा पाण्डेय थे। साथ ही टीम के सदस्यों के रूप में डॉ. हिना यादव, डॉ. सुमित कुमार एवं डॉ. अशोक जांगड़ा ने आयोजन में सक्रिय भागीदारी की। इस अवसर पर प्रो. पवन मौर्य, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. रवि सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

कार्यशाला में विशेष वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times **Date: 30-11-2022**

Workshop organised on the occasion of "World Diabetes Day" conducted at CUH

Simran Rawat
info@impressivetimes.com

Mahendargarh: A workshop on the occasion of "World Diabetes Day" was organized on 29 th Nov. 2022 by the Department of Pharmaceutical Sciences, School of Interdisciplinary and applied sciences in collaboration University Heath Center at Central University of Haryana, Mahendergarh. Prof. (Dr.) Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University inaugurated the workshop and emphasized the importance of diabetes management and life style modification. He appreciated the initiative taken by the Department of Pharmaceutical Sciences to conduct such a program. The international speaker of this event was Dr. Rohit Kumar Verma from Malaysia emphasized on prevention and treatment of diabetes. He also talked about the integrated approach for diabetes management. Prof. Neelam Sangwan, Chairperson, Dean SIAS, and Dean Research, delivered the welcome address and briefed about the workshop. She also informed that such workshop would also be conducted in the future in order to give an opportunity to scholars to interact with eminent resource persons. Dr. Dinesh Kumar, Head, and Convener of the event, informed about the prevalence of diabetes.

THE INTERNATIONAL SPEAKER OF THIS EVENT WAS DR. ROHIT KUMAR VERMA FROM MALAYSIA EMPHASIZED ON PREVENTION AND TREATMENT OF DIABETES. HE ALSO TALKED ABOUT THE INTEGRATED APPROACH FOR DIABETES MANAGEMENT.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 30-11-2022**

हकेवि में 3 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

नारनौल, 29 नवंबर (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संपोषित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन विषय पर केंद्रित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि गुणवत्तापरक शोध के लिए निज भाषा का उपयोग महत्त्वपूर्ण है। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्रमुख रूप से विषय विशेषज्ञ के रूप में हरियाणा ग्रंथ अकादमी के पूर्व निदेशक डॉ. विजय दत्त शर्मा ने विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला।

दैनिक ट्रिब्यून We ht

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 30-11-2022**

गुणवत्तापरक मौलिक शोध के लिए निजी भाषा महत्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़, 29 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 29 नवम्बर को भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संपोषित 3 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ।

भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन विषय पर केंद्रित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि गुणवत्तापरक शोध के लिए निजी भाषा का उपयोग महत्वपूर्ण है। कुलपति ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति विशेष रूप से मातृभाषा में शिक्षा की पक्षधर है और अवश्य ही भारतीय भाषा समिति के सहयोग से विश्वविद्यालय में आयोजित यह कार्यशाला इस दिशा में जारी प्रयासों को बल प्रदान करेगी।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्रमुख रूप से विषय विशेषज्ञ के रूप में हरियाणा ग्रंथ अकादमी के पूर्व निदेशक डॉ. विजय दत्त शर्मा ने विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय में शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता व कार्यशाला की संयोजक प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और 3 दिनों तक चलने वाली इस कार्यशाला के विभिन्न सत्रों व उसमें उपस्थित रहने वाले विशेषज्ञों का स्वागत किया।

प्रो. टंकेश्वर ने विषय की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाषा ही वह माध्यम है जो कि किसी भी देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारतीय भाषाओं में शोध के पीछे का उद्देश्य यही है कि हम अपने ज्ञान को विस्तृत रूप से प्रसारित कर सकें।

आयोजन के पहले दिन डॉ. विजय दत्त शर्मा के पश्चात द्वितीय सत्र में जम्मू विश्वविद्यालय के डॉ. जसपाल सिंह ने उच्च शिक्षा के स्तर में भारतीय भाषाओं में शोध प्रविधियों एवं शिक्षण के सम्मुख आने वाली चुनौतियों के विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

इसी क्रम में तीसरे सत्र में डॉ. बाबू राम, पूर्व प्रो. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने निवासी भारतीय भाषाओं में ज्ञान सर्जन के अवसर और चौथे सत्र में डॉ. जगदीश प्रसाद ने भारतीय भाषाओं के शोध अंतर्जाल की उपयोगिता विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. गौरव, प्रो. रविंद्रपाल अहलावत सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 01-12-2022**

हकेंवि

भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन कार्यशाला के दूसरे दिन मिला व्यावहारिक प्रशिक्षण

पंजाब, चंडीगढ़ व जम्मू विवि के विशेषज्ञों ने दिया व्याख्यान

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के दूसरे दिन चार सत्रों में प्रतिभागियों को विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला के दूसरे दिन विषय विशेषज्ञ के रूप में एसटीसी के मुख्य प्रबंधक राजभाषा डॉ. जगदीश प्रसाद पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रो. अशोक कुमार, जम्मू विश्वविद्यालय के सह आचार्य डॉ. जसपाल सिंह उपस्थित रहे।

कार्यशाला की शुरूआत करते हुए संचालक प्रो. नंद किशोर ने प्रतिभागियों से विशेषज्ञों का परिचय कराने के साथ-साथ हस्त अनुभव के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रो. नंद किशोर ने भारतीय भाषाओं में शोध व अकादमिक लेखन हेतु व्यावहारिक

कार्यशाला को संबोधित करते प्रो. नंद किशोर। संवाद

प्रशिक्षण की उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। डॉ. जगदीश प्रसाद ने अपने शब्दों में लेखन संक्षिप्तिकरण सहज अभिव्यक्तिकरण के लिए हस्त अनुभव आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया। संयोजक प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि कार्यशाला के दूसरा दिन विशेषज्ञों ने विभिन्न व्यावहारिक व तकनीकी पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

डॉ. राजीव को मिला प्रो. रंगनाथन मेमोरियल स्कॉलर अवॉर्ड

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ को प्रतिष्ठित प्रो. एसआर रंगनाथन मेमोरियल स्कॉलर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान फेडरेशन ऑफ हेल्थ साइंस लाइब्रेरी एसोसिएशन (एफएचएसएलए) भारत द्वारा प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. राजीव की इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी और उनकी सराहना की।

डॉ. राजीव वशिष्ठ को यह पुरस्कार ऋषिकेश, उत्तराखंड में आयोजित एफएचएसएलए के तीसरे वार्षिक सम्मेलन में प्रदान किया गया। उन्हें यह पुरस्कार पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में उनके

उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ को अवॉर्ड से सम्मानित करते आयोजक। संवाद

उत्कृष्ट योगदान के लिए उत्तराखंड सरकार में स्वास्थ्य एवं उच्च शिक्षामंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्रदान किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश की निदेशक डॉ. मीनू सिंह ने की और इस मौके पर एफएचएसएलए के अध्यक्ष डॉ. पीआर मीणा भी उपस्थित रहे। यहां बता दें कि एफएचएसएलए के द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में समूचे भारत से 150 से अधिक पुस्तकालय विशेषज्ञ सम्मिलित हुए। डॉ. वशिष्ठ को मिली इस उपलब्धि के लिए विवि के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने उन्हें बधाई दी। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 01-12-2022**

हकेंवि में भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन कार्यशाला में मिला व्यावहारिक प्रशिक्षण

▪ तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का वीरवार को होगा समापन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संपोषित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के दूसरे दिन चार सत्रों में प्रतिभागियों को विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में आयोजित इस कार्यशाला के दूसरे दिन विषय विशेषज्ञ के रूप में एसटीसी के मुख्य प्रबंधक, राजभाषा डॉ. जगदीश प्रसाद; पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रो. अशोक कुमार; जम्मू विश्वविद्यालय के सह आचार्य डॉ. जसपाल सिंह उपस्थित रहे।

दूसरे दिन कार्यशाला की शुरूआत संचालक प्रो. नंद किशोर के द्वारा कराई गई। उन्होंने प्रतिभागियों से विशेषज्ञों का परिचय कराने के साथ-साथ हस्त अनुभव के महत्त्व पर प्रकाश डाला। प्रो. नंद किशोर ने अपने संबोधन में भारतीय भाषाओं में शोध व अकादमिक लेखन हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण की उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसके पश्चात के कार्यशाला के दूसरे दिन के पहले सत्र में डॉ. जगदीश प्रसाद ने अपने शब्दों में लेखन संक्षिप्तिकरण सहज अभिव्यक्तिकरण के लिए हस्त अनुभव आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया।

उन्होंने अपने संबोधन में कठिन शब्द, शब्द वर्तनी की शुद्धता और अर्थों के महत्त्व से अवगत कराया। इसी क्रम में प्रो. जसपाल सिंह ने प्रतिभागियों को शोधपत्र की समालोचना, विश्लेषण एवं उसके प्रतिवेदन के लिए भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन का प्रशिक्षण प्रदान किया।

कार्यशाला के दूसरे दिन के विशेषज्ञ प्रो. अशोक कुमार ने स्वयं के जीवन अनुभवों के माध्यम से व्यावसायिक प्रतिवेदन लेखन पर केंद्रित व्याख्यान व व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रतिभागियों को दिया। उन्होंने अपने प्रस्तुतिकरण में प्रतिभागियों को कार्यशाला और सेमिनार आदि के महत्त्व और उनमें लेख व शोधपत्रों के प्रस्तुतिकरण की उपयोगिता भी बताई। प्रो. अशोक कुमार ने प्रतिवेदन लेखन के साथ-साथ पत्रकारिता लेखन के विषय में भी जानकारी दी। कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न प्रश्नों के समाधान भी विशेषज्ञों ने उपलब्ध कराए। कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला का दूसरा दिन अति महत्वपूर्ण रहा और इसमें विषय विशेषज्ञों ने विभिन्न व्यावहारिक व तकनीकी पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। अवश्य ही उन्हें इसका लाभ कार्यक्षेत्र में प्राप्त होगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 01-12-2022**

अकादमिक लेखन के लिए दिया व्यावहारिक प्रशिक्षण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संपोषित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के दूसरे दिन चार सत्रों में प्रतिभागियों को विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यशाला की शुरुआत संचालक प्रो. नंद किशोर द्वारा की गई। उन्होंने प्रतिभागियों से विशेषज्ञों का परिचय कराने के साथ-साथ हस्त अनुभव के महत्त्व पर प्रकाश डाला। प्रो. नंद किशोर ने भारतीय भाषाओं में शोध व अकादमिक लेखन के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण की उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। डा. जगदीश प्रसाद ने अपने शब्दों में लेखन संक्षिप्ति करण सहज अभिव्यक्तिकरण के लिए हस्त अनुभव आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रो.जसपाल सिंह ने प्रतिभागियों को शोधपत्र की समालोचना, विश्लेषण एवं उसके प्रतिवेदन के लिए भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन का प्रशिक्षण प्रदान किया। विशेषज्ञ प्रो. अशोक कुमार ने स्वयं के जीवन अनुभवों के माध्यम से व्यावसायिक

राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते प्रो. नंद किशोर • सौ. संस्था

प्रतिवेदन लेखन पर केंद्रित व्याख्यान व व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रतिभागियों को दिया। उन्होंने अपने प्रस्तुतिकरण में प्रतिभागियों को कार्यशाला और सेमिनार आदि के महत्व और उनमें लेख व शोधपत्रों के प्रस्तुतिकरण की उपयोगिता भी बताई। प्रो. अशोक कुमार ने प्रतिवेदन लेखन के साथ-साथ पत्रकारिता लेखन के विषय में भी जानकारी दी। कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न प्रश्नों के समाधान भी विशेषज्ञों ने उपलब्ध कराए। कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रतिभागी होंगे लाभान्वित।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 02-12-2022**

हकेंवि में भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन कार्यशाला संपन्न

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संपोषित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का वीरवार को समापन हो गया। तीन दिवसीय इस आयोजन में बारह सत्र आयोजित किए गए, जिनमें अंतिम दिन प्रथम सत्र में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सह-आचार्य प्रो. कामराज सिंधु ने व दूसरे व तीसरे सत्र में श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. आर.पी. पाठक ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से आयोजन के लिए आयोजको की सराहना की और इसमें सम्मिलित विशेषज्ञों को आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आशा है कि तीन दिवसीय इस आयोजन में विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत व्याख्यान व व्यावहारिक प्रशिक्षण का लाभ प्रतिभागी उठाएंगे। आयोजन की संयोजक व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने तीन दिवसीय इस आयोजन को सफल बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम की सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के कुलपति को जाता है, जिनकी प्रेरणा व मार्गदर्शन से यह आयोजन संभव हो सका। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इसमें अर्जित ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। कार्यशाला संचालक प्रो. नंद किशोर ने तीसरे दिन की कार्यशाला का शुभारंभ प्रतिभागियों से विशेषज्ञों का परिचय कराते हुए किया। आयोजन के प्रथम सत्र ने प्रो. कामराज सिंधु ने पुस्तक समीक्षा लेखन पर विचार-विमर्श पर चर्चा की।

मुख्य वक्ता को सम्मानित करते हुए। आज समाज

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 02-12-2022**

'समीक्षा लेखन वास्तविकता पर होना चाहिए आधारित'

भारतीय भाषाओं में शोध और अकादमिक लेखन कार्यशाला का समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संपोषित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का वीरवार को समापन हो गया। कार्यशाला में प्रो. आरपी पाठक ने समीक्षा लेखन पर चर्चा करते हुए कहा कि समीक्षा लेखन वास्तविकता पर आधारित होना चाहिए।

तीन दिवसीय इस आयोजन में 12 सत्र आयोजित किए गए, जिनमें अंतिम दिन प्रथम सत्र में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सह-आचार्य प्रो. कामराज सिंधु ने व दूसरे व तीसरे सत्र में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. आरपी पाठक ने प्रतिभागियों को संबोधित किया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजकों की सराहना की और इसमें सम्मिलित विशेषज्ञों को आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आयोजन में विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत व्याख्यान और व्यवहारिक प्रशिक्षण का लाभ प्रतिभागी उठाएंगे। आयोजन की संयोजक व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि अवश्य ही कार्यक्रम में अर्जित ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। कार्यशाला संचालक प्रो. नंद किशोर ने तीसरे दिन की कार्यशाला का शुभारंभ प्रतिभागियों से विशेषज्ञों का परिचय कराते हुए किया। आयोजन के प्रथम सत्र ने प्रो. कामराज सिंधु ने पुस्तक समीक्षा लेखन पर विचार-विमर्श पर चर्चा की। उन्होंने पुस्तक समीक्षा के प्रकार, उद्देश्य, महत्व, शैली, विषय, प्राक्कथन आदि से विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यशाला के दूसरे व तृतीय सत्र में प्रो. आरपी पाठक ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में दिए गए सुझावों को भाषा के परिप्रेक्ष्य में चर्चा की। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से शब्दों के प्रयोग का महत्व बताया। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा को शांत किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने अपने तीन दिनों के अनुभवों को साझा किया। कार्यशाला के आयोजन में सह समंवयक प्रो. गौरव, सदस्य डॉ. आरती यादव, डॉ. अमित सिंह, डॉ. रूबल कलिता व डॉ. शरण प्रसाद सहित शिक्षा पीठ के शिक्षकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की।

कार्यशाला के समापन सत्र में विशेषज्ञों को सम्मानित करतीं प्रो. सारिका शर्मा। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 02-12-2022**

हकेंवि में भारतीय भाषाओं में अकादमिक लेखन एवं शोध कार्यशाला का हुआ समापन

महेंद्रगढ़ |हकेंवि में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संपोषित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का वीरवार को समापन हो गया। तीन दिवसीय इस आयोजन में बारह सत्र आयोजित किए गए, जिनमें अंतिम दिन प्रथम सत्र में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सह-आचार्य प्रो. कामराज सिंधु ने व दूसरे व तीसरे सत्र में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. आर.पी. पाठक ने प्रतिभागियों को संबोधित किया।

आयोजन की संयोजक व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने तीन दिवसीय इस आयोजन को सफल बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम की सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के कुलपति को जाता है, जिनकी प्रेरणा व मार्गदर्शन से यह आयोजन संभव हो सका। कार्यशाला संचालक प्रो. नंद किशोर ने तीसरे दिन की कार्यशाला का शुभारंभ प्रतिभागियों से विशेषज्ञों का परिचय कराते हुए किया। आयोजन के प्रथम सत्र ने प्रो. कामराज सिंधु ने पुस्तक समीक्षा लेखन पर विचार-विमर्श पर चर्चा की। उन्होंने पुस्तक समीक्षा के प्रकार, उद्देश्य, महत्त्व, शैली, विषय, प्राक्कथन आदि से विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यशाला के दूसरे व तृतीय सत्र में प्रो. आर.पी. पाठक ने समीक्षा लेखन पर चर्चा करते हुए कहा कि समीक्षा लेखन वास्तविकता पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में दिए गए सुझावों को भाषा के परिप्रेक्ष्य में चर्चा की। कार्यशाला के आयोजन में सह समन्वयक प्रो. गौरव, सदस्य डॉ. आरती यादव, डॉ. अमित सिंह, डॉ. रूबल कलिता व डॉ. शरण प्रसाद सहित शिक्षा पीठ के शिक्षकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 02-12-2022**

वास्तविकता पर आधारित हो समीक्षा लेखन : प्रो. आरपी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय द्वारा संपोषित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का बृहस्पतिवार को समापन हो गया। तीन दिवसीय इस आयोजन में 12 सत्र आयोजित किए गए, जिनमें अंतिम दिन प्रथम सत्र में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सह-आचार्य प्रो. कामराज सिंधु ने व दूसरे व तीसरे सत्र में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. आरपी पाठक ने प्रतिभागियों को संबोधित किया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की और इसमें सम्मिलित विशेषज्ञों को आभार व्यक्त करते हुए कहा कि तीन दिवसीय इस आयोजन में विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत व्याख्यान व व्यावहारिक प्रशिक्षण का लाभ प्रतिभागी उठाएंगे। आयोजन की संयोजक व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि इस कार्यक्रम की सफलता का श्रेय कुलपति को जाता है, जिनकी प्रेरणा व मार्गदर्शन से यह आयोजन संभव हो सका। कार्यशाला संचालक प्रो. नंद किशोर ने तीसरे दिन की कार्यशाला का शुभारंभ प्रतिभागियों से विशेषज्ञों का परिचय कराते हुए किया। आयोजन के प्रथम सत्र ने प्रो. कामराज सिंधु ने पुस्तक समीक्षा लेखन पर विचार-विमर्श पर चर्चा की। उन्होंने पुस्तक समीक्षा के प्रकार, विषय, प्राक्कथन आदि से विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. आरपी पाठक ने कहा कि समीक्षा लेखन वास्तविकता पर आधारित होना चाहिए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 02-12-2022**

भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन कार्यशाला सम्पन्न

विशेषज्ञों द्वारा दिए व्यावहारिक प्रशिक्षण व व्याख्यान का लाभ उठाएं प्रतिभागी: प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़, 1 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संपोषित 3 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का वीरवार को समापन हो गया। 3 दिवसीय इस आयोजन में 12 सत्र आयोजित किए गए, जिनमें अंतिम दिन प्रथम सत्र में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सह-आचार्य प्रो. कामराज सिंधु व दूसरे व तीसरे सत्र में श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. आर.पी. पाठक ने प्रतिभागियों को संबोधित किया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से आयोजकों की सराहना की और इसमें सम्मिलित विशेषज्ञों को आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आशा है कि 3 दिवसीय इस आयोजन में विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत व्याख्यान व व्यावहारिक प्रशिक्षण का लाभ प्रतिभागी उठाएंगे।

आयोजन की संयोजक व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने 3 दिवसीय इस आयोजन को सफल बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम की सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के कुलपति को जाता है, जिनकी प्रेरणा व मार्गदर्शन से यह आयोजन संभव हो सका।

उन्होंने कहा कि अवश्य ही इसमें अर्जित ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। कार्यशाला संचालक प्रो. नंद किशोर ने तीसरे दिन की कार्यशाला का शुभारंभ प्रतिभागियों से विशेषज्ञों का परिचय करवाते हुए किया।

समीक्षा लेखन वास्तविकता पर आधारित होना चाहिए : प्रो. पाठक

आयोजन के प्रथम सत्र में प्रो. कामराज सिंधु ने पुस्तक समीक्षा लेखन पर चर्चा की। उन्होंने पुस्तक समीक्षा के प्रकार, उद्देश्य, महत्व, शैली, विषय, प्राक्कथन आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यशाला के दूसरे व तृतीय सत्र में प्रो. आर.पी. पाठक ने समीक्षा लेखन पर चर्चा करते हुए कहा कि समीक्षा लेखन वास्तविकता पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में दिए गए सुझावों को भाषा के परिप्रेक्ष्य में चर्चा की। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से शब्दों के प्रयोग का महत्व बताया।

कार्यशाला के समापन सत्र में विशेषज्ञों को सम्मानित करतीं प्रो. सारिका शर्मा।

कार्यशाला में विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा को शांत किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने अपने 3 दिनों के अनुभवों को सांझा किया।

कार्यशाला के आयोजन में सह समन्वयक प्रो. गौरव, सदस्य डॉ. आरती यादव, डॉ. अमित सिंह, डॉ. रूबल कलिता व डॉ. शरण प्रसाद सहित शिक्षा पीठ के शिक्षकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की।

बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट की डिग्री पूर्ण करते ही छात्रा को मिला प्लेसमैंट

महेंद्रगढ़(परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट की छात्रा अमरीशा प्रिया को फ्रांस की कंपनी डिकेथलॉन रिटेल में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्लेसमैंट पाने पर अमरीशा को बधाई देते हुए कहा कि आज के दौर में जहां नौकरी के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है ऐसे में कौशल विकास पर आधारित बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट डिग्री प्रोग्राम विद्यार्थियों को प्रोफैशनल बनाने के साथ-साथ रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है।

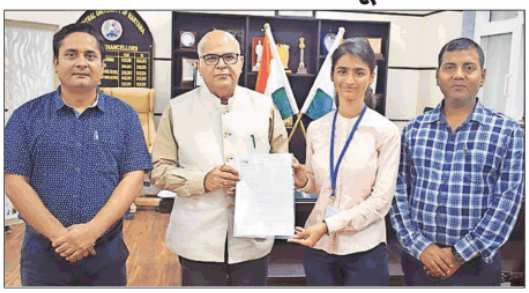

प्लेसमैंट पाने वाली छात्रा कुलपति और शिक्षकों के साथ।

कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय प्रयासरत है। इस उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर प्लेसमैंट ड्राइव का आयोजन किया जाता है।

विश्वविद्यालय के व्यवसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के अध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने चयनित छात्रा को बधाई देते हुए कहा कि बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट अपने नवीनतम पाठ्यक्रम द्वारा दिए गए व्यावहारिक ज्ञान से विद्यार्थियों को प्रौशनल बनाने में बेहतरीन भूमिका निभा रहा है।

रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा ने बताया कि विभाग द्वारा विद्यार्थियों का पंजीकरण होते ही उनके लिए अगले 3 वर्षों की योजना बना ली जाती है।

विभाग द्वारा कार्यशाला, ऑन जॉब ट्रेनिंग व विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ रोजगारपरक अनेक गतिविधियों का आयोजन समय-समय पर करवाया जाता है।